हमारी सदस्य कलीसियाएं एमडबल्यूसी के साझा विश्वास (*शेयर्ड कन्विक्शन्स*) को वृहद वैश्विक देह में किस प्रकार से खूबसूरती के साथ, स्थानीय विविधता समेटे हुए व्यक्त करती हैं?

कूरियर पत्रिका के अक्टूबर 2016 अंक में उन विभिन्न कारणों को जानने का प्रयास किया गया है कि संसार भर के ऐनाबैपटिस्ट समुदाय एमडबल्यूसी के रूप में एक साथ क्यों एकत्रित होते हैं। इस अंक के लेखों में लेखकों ने इस प्रश्न पर चिन्तन करते हुए अपने विचार प्रस्तुत किये हैं: मसीह का प्रेम हमें अपने स्थानीय सन्दर्भ में परदेशियों/अजनबियों के साथ किस प्रकार का व्यवहार करने को प्रेरित करता और अगुवाई देता है?

मैक्सिको

हमारा मिशन और साझा विश्वास

विश्वास और मसीही जीवन के क्षेत्र में विश्वास के एक विश्व समुदाय के रूप में, हम राष्ट्रीयता, नस्ल, वर्ग, लिंग, और भाषा की सीमाओं को पार कर जाते हैं। हम इस संसार में एक ऐसा जीवन जीने का प्रयास करते हैं जो बुराई की सामर्थ के आगे न झुके, दूसरों की सेवा करने के द्वारा परमेश्वर के गवाह ठहरे, सृष्टि की देखभाल करें और सब लोगों को न्यौता दें कि वे यीशु मसीह को उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में जान सकें। – एमडबल्यूसी साझा विश्वास क्र. 7

ऐनाबैपटिस्ट मेनोनाइट मसीही के रूप में, हमारा मिशन उस पहचान से निकटता से जुड़ा हुआ है जिसे हमने स्वीकार करते हुए उसका अंगीकार किया है। इस कारण, *व्हाट वी बिलिव टुगेदर: एक्सप्लोरिंग द शेयर्ड कन्विक्शन्स ऑफ ऐनाबैपटिस्ट रिलेटेड चर्चेज़* नाम पुस्तक में, उन बातों का समावेश किया गया है जो विश्वास के समुदायों तक यह सच्चाई पहुँचाने के लिए आवश्यक हैं कि हम कौन है और प्रभु ने हमें किस कार्य को पूरा करने को सौंपा है।

सामाजिक, आर्थिक, और सांस्कृतिक अन्याय मैक्सिकों में अत्यंत बढ़ गया है। हर दिन हिंसा के कारण लोग आहत हो रहे हैं। इस सन्दर्भ में यीशु के गवाह बनने के लिए इस बात का स्पष्ट होना आवश्यक है कि हम कौन हैं, हम किस के द्वारा बुलाए गए है, और क्यों बुलाए गए है। मैं ऐसा समझता हूँ कि *व्हाट वी बिलिव टुगेदर* इन प्रश्नों का बिल्कुल स्पष्ट उत्तर देती है, विशेष कर साझा विश्वास का सातवाँ बिन्दु: ''विश्वास और मसीही जीवन के क्षेत्र में विश्वास के एक विश्व समुदाय के रूप में, हम राष्ट्रीयता, नस्ल, वर्ग, लिंग, और भाषा की सीमाओं को पार कर जाते हैं। हम इस संसार में एक ऐसा जीवन जीने का प्रयास करते हैं जो बुराई के सामर्थ के आगे न झुके, दूसरों की सेवा करने के द्वारा परमेश्वर के गवाह ठहरे, सृष्टि की देखभाल करें और सब लोगों को न्यौता दें कि वे यीशु मसीह को उद्धारकर्ता और प्रभु के रूप में जान सकें।'' मेक्सिको में मेरी कलीसिया में (कॉन्फ्रेंशिया डे इजलेसियास इवेलिकास ऐनाबाउटिस्टास मेनोनिटास डे मेक्सिको – सीआईईएएमएम), हम यह विश्वास करते हैं कि प्रत्येक स्थानीय कलीसिया और विश्वास का प्रत्येक समुदाय प्रभु यीशु मसीह के राज्य का बीज और फल है। इसी विश्वास की लीक पर चलते हुए हम यीशु मसीह के द्वारा प्रचार किए गए शान्ति, न्याय, और मेलमिलाप के सुसमाचार को वृहद (विस्तृत/सम्पूर्ण) अर्थों में समझने और उसके अनुसार अपना जीवन व्यतीत करने का प्रयास करते हैं। इस प्रकार से, जब वह नगर नगर, और शहर शहर और गाँव गाँव राज्य के सुसमाचार का प्रचार करता हुआ फिरा, तो उसने हर बीमारी और रोग को चंगा किया (मत्ती 9:35)।

इसी प्रकार से, हमें अपने समुदायिक और सामाजिक जीवन के हर एक पहलू में वृहद चंगाई के अभिकर्ता/माध्यम बनने की आवश्यकता है। हमारा मिशन इस संसार में साकार हो ठीक यीशु मसीह की तरह; और वह हमें हर दिन यह स्मरण दिलाता है कि, जैसे पिता ने उसे भेजा था, वैसे ही वह हमें भेजता है (यूह. 20:21)।

सीआईइएएमएम में, हम इस बात को अच्छी तरह से जानते हैं कि प्रत्येक स्थानीय कलीसिया पवित्र आत्मा के द्वारा सामर्थ प्राप्त करती है, यह एक ऐसी सच्चाई है जिसकी जड़ें *व्हाट वी बिलिव टुगेदर* में गहराई तक पकड़ी हुईं है। पवित्र आत्मा मसीह का आत्मा है जो हमें *तरस खाने की सेवकाई के लिए* बुला रहा है और इसे पूरा करने के लिए सामर्थ दे रहा है। यीशु मसीह ने लोगों के द्वारा अनुभव किए जाने वाले दर्द, पीड़ा, और परिस्थितियों को अपने दर्द जान कर महसूस किया। तरस खाने का अर्थ पल भर के लिए पीड़ा महसूस करना नहीं है; इसका अर्थ है कि संकट में पड़े व्यक्ति के साथ एक हो जाना और मानव को बुरी तरह से दुख देने वाली पीड़ा से राहत दिलाने के लिए सक्रिय हो कर सेवा में जुट जाना।

यीशु तरस खाने वाला एक दयालु प्रभु था और दुखी लोगों के साथ गहराई से एक हो जाने के कारण वह उनकी सहायता करने को सक्रिय हो जाता था (मत्ती 9:36; मत्ती 14:14; मर. 6:34; मत्ती 15:32–37, लूका 7:12–15)। यदि हम यह कहते हैं कि हम यीशु का अनुसरण करते हैं, तो हमें तरस खाने वाला बनना आवश्यक है, जैसा वह स्वयं था।

हमने सीआईइएएमएम में *व्हाट वि बिलिव टुगेदर* को पुस्तक रूप के साथ साथ डिजिटल रूप में भी बढ़ावा दिया है। इस संस्करण का सीआईइएएमएम से सम्बद्ध प्रत्येक कलीसिया में अलग अलग तरीकों का अध्ययन किया गया है। कुछ कलीसियाओं में तो, प्रत्येक अध्याय को सण्डे स्कूल का एक पाठ बना दिया गया; कुछ कलीसियाओं में, विश्वास के सातों बिन्दुओं में से प्रत्येक को उपदेश के शीर्षक के रूप में उपयोग में लाया गया; साथ ही हमने इसे समूह में अध्ययन करने को भी प्रोत्साहित किया। हमारा लक्ष्य है कि *व्हाट वी बिलिव टुगेदर* की एक एक प्रति कलीसिया के हर एक नए सदस्य को अध्ययन मार्गदर्शिका के रूप में दी जाए।

स्पेनिश भाषा में ऐनाबैपटिस्ट पहचान पर आधारित कुछ ही ऐसी पुस्तकें हैं जो मुद्रित या डिजिटल रूप में उपलब्ध हैं। इसी कारण से *व्हाट वी बिलिव टुगेदर* को सीआईइएएमएम द्वारा एक वैश्विक परिवार जिसके हम अंग हैं के विशिष्ट सिद्धान्तों के एक अच्छे सारांश के रूप में सराहा गया है, विशेष रूप से इसलिए, क्योंकि कलीसिया के हमारे अधिकांश सदस्य कम या औसत शिक्षा प्राप्त है, और पढ़ने तथा व्यवस्थित अध्ययन करने की आदत उनमें नहीं विकसित हो सकी है।

सीआईइएएमएम के सदस्यों के लिए यह जानना एक ज्ञानवर्धन और आशीष की बात रही है कि वे एक वैश्विक समुदाय के अंग है, जिसकी पहचान मसीह में केन्द्रित है, और जो ''हर एक कुल और भाषा और लोग और जाति में से'' लिए गए पवित्र लोगों (विश्वासियों) को मिलकर बनाई गई है (प्रका. 5:9)। पहचान का यह सिद्धान्त मिलाप कराने वाले समुदाय तैयार करने और यीशु मसीह द्वारा प्रचार किए गए शान्ति के सुसमाचार को व्यवहार में लाने का प्रयत्न करने पर केन्द्रित है।

सीआईइएएमएम की कलीसिया समुदायों का यह दर्शन है कि ''एक ऐसी कलीसिया परिवार बने जिसका अधिकार परमेश्वर के वचन के आया हो, जो समग्र विकास के लिए ऐसे शिष्यों को तैयार करता हो जो यीशु के उदहारण का अनुसरण करते, और पवित्र आत्मा की अगुवाई में चलते हैं ताकि हमारा वास्तविकता को साकार कर सकें।''

हमारा मिशन है कि हम ''यीशु के आदर्श के माध्यम से शान्ति के सुसमाचार की सेवा करें और उसे अपने जीवन के द्वारा परिलक्षित करें।'' *व्हाट वी बिलिव टूगेदर* बाइबल सम्मत्त–धर्मवैज्ञानिक आधार था जिस पर हमने सीआईइएएमएम के दर्शन और मिशन के रूप में अपने अंगीकार को विकसित किया। सीआईइएएमएम के सदस्यों के लिए, यह दस्तावेज मेक्सिको की सामाजिक, आर्थिक, और धार्मिक पृष्ठभूमि में विचार और कार्य के दृष्टिकोण से एक उपयोगी साधन है।

– कार्लोस मार्टिनेज़ गार्सिया मेक्सिको के एक पत्रकार व पासवान है। वे कॉन्फ्रेंशिया डे इजेलेसियास इवान्लिकास एनाबाउटिस्आस मेनोनिटास डे मेक्सिको (सीआईइएएमएम) के मोडरेटर हैं।